वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
एक मिनी रत्न कंपनी

प्रगति

वेकोलि की त्रैमासिक पत्रिका

वेकोलि को कोल इंडिया स्तर पर कुल 07 अवार्ड्स से नवाज़ा गया

01 नवम्बर, कोल इंडिया लिमिटेड के 48 वें स्थापना दिवस पर वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) को पर्यावरण / पर्यावरण प्रबंधन के लिए कॉरपोरेट अवार्ड (Corporate Award on Environment/ Environment Management Award), निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए कॉरपोरेट अवार्ड (Corporate Award on CSR), विक्रय में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि के लिए कॉरपोरेट अवार्ड (Corporate Award on Highest %age Increase in Net Sales) एवं खुली खदानों में सर्वाधिक कैपेसिटी यूटिलाइजेशन के लिए कॉरपोरेट अवार्ड (Corporate Award on Highest Departmental Capacity Utilization (OC Projects) सभी में द्वितीय श्रेणी से सम्मानित किया गया।

व्यक्तिगत श्रेणी में नागपुर क्षेत्र के श्री जी. पी. सिंह को बहादुरी का पुरस्कार (Bravery Award), वणी नार्थ क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार को बेस्ट जीएम (वर्तमान में नागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक), मुख्यालय के महाप्रबंधक (सीएमसी) श्री ए. पी. सिंह को सर्वोत्कृष्ट विभागाध्यक्ष (Best HoD) से सम्मानित किया गया।

उक्त पुरस्कार कोलकाता में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि माननीय कोयला मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी, चेयरमैन, सीआईएल, श्री प्रमोद अग्रवाल एवं कोल इंडिया के पूर्व चेयरमैन श्री एस. नरसिंह राव के करकमलों से सीएमडी श्री मनोज कुमार एवं संबंधी विजेताओं ने ग्रहण किये। श्री मनोज कुमार ने इन उपलब्धियों का श्रेय पूरी टीम को दिया और उन्हें बधाई दी। कोल इंडिया स्थापना दिवस पर वेकोलि को मिले इन 07 अवार्ड्स से टीम वेकोलि में जश्न का माहौल है।

देश की कोयला आवश्यकताओं की पूर्ति में वेस्टर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड का योगदान महत्वपूर्ण - श्री प्रल्हाद जोशी

माननीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने ली वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की समीक्षा बैठक

माननीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी दिनांक 13 अक्टूबर 2022 को वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के नागपुर स्थित वेकोलि मुख्यालय पहुंचे। यहाँ आयोजित वर्चुअल उद्घाटन समारोह में उन्होंने वेकोलि पेंच क्षेत्र के बाल गंगाधर तिलक इको पार्क, झुर्रे, का उद्घाटन किया। उन्होंने इको पार्क के निर्माण को सकारात्मक पहल बताते हुए वेकोलि द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान वेकोलि की संचालन समिति एवं कल्याण मंडल के सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही।

तत्पश्चात माननीय मंत्री महोदय ने वेकोलि की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने वेकोलि के उत्पादन, उत्पादकता एवं कोयला प्रेषण की स्थिति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने वेकोलि में कोयला खनन के स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने माननीय कोयला मंत्री को इस वित्तीय वर्ष के प्रथम एवं द्वितीय तिमाही में किए गए कोयला उत्पादन, प्रेषण आदि से अवगत कराते हुए आश्वस्त किया की वेकोलि वर्ष के अंत तक कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल करेगा।

अपने संबोधन में माननीय केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि देश की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए यह आवश्यक है कि कोल इंडिया लिमिटेड की सभी अनुषंगी कंपनियां अपना वार्षिक लक्ष्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि देश को कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से वर्तमान खनन कार्य को सुदृढ बनाना एवं नए प्रोजेक्ट शुरू करना आवश्यक है। इस दिशा में उन्होंने कोयला मंत्रालय की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

उन्होंने वेकोलि में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण एवं फॉरेस्ट क्लीयरेंस, नई तकनीक का इस्तेमाल आदि बिन्दुओं पर तेजी से कार्य करने को कहा। उन्होंने देश की कोयला आवश्यकताओं की पूर्ति में वेस्टर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड के योगदान को महत्वपूर्ण बताया।

समीक्षा बैठक में कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री वि. के. तिवारी, कोयला मंत्री के निजी सचिव श्री होना रेड्डी, वेकोलि के निदेशक (कार्मिक) डॉ संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मुकेश कुमार मिश्रा, क्षेत्रीय महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक के उपरांत उन्होंने कंपनी के संचालन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में कोयला उत्पादन में कर्मियों की सहभागिता, कोयला क्षेत्र की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में किए जाने वाले कार्यों आदि के विषय में विस्तार से चर्चा हुई।

वेकोलि ने हर्षोल्लास के साथ मनाया कोल इंडिया स्थापना दिवस

48 वें कोल इंडिया स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में टीम वेकोलि ने आज दिनांक 01-11-2022 को पूरी कंपनी में हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाया।

अहले सुबह वेकोलि परिवार के सदस्यों ने स्थापना दिवस रैली निकाली। कंपनी मुख्यालय में निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी ने झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया और निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री अनिल कुमार सिंह के साथ उसका नेतृत्व भी किया।

तत्पश्चात, पुनः प्रशासनिक भवन के सामने सभी एकत्र हुए। कोल इंडिया कॉरपोरेट गीत की धुनों के बीच श्री जे. पी. द्विवेदी ने सीआईएल ध्वज फहराया और टीम वेकोलि को संबोधित किया। श्री द्विवेदी ने सभी को कोल इंडिया स्थापना दिवस की बधाई दी और कोयला उद्योग के इतिहास पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर वेकोलि संचालन समिति के सदस्य, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मी एवं महिलाएं प्रमुखता से उपस्थित थीं।

श्री अजय मधुकर म्हेत्रे वेकोलि के नए मुख्य सतर्कता अधिकारी
सीएमडी श्री मनोज कुमार तथा निदेशक मंडल ने दी बधाई

दिनांक 26.12.2022 को श्री अजय मधुकर म्हेत्रे ने वेकोलि मुख्यालय में मुख्य सतर्कता अधिकारी का पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व वे बिहार एलएसए,पटना में निदेशक (ग्रामीण) के पद पर कार्यरत थे।

उन्होंने नागपुर से बेचलर ऑफ इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स) में स्नातक करने के उपरान्त यूपीएससी की 1996 की इंजीनियरिंग सर्विसेज परीक्षा उतीर्ण की एवं 1998 में आईटीएस अधिकारी के तौर पर भारत सरकार के दूरसंचार विभाग में कार्यभार संभाला। उन्होंने दूरसंचार विभाग, भारत सरकार एवं बीएसएनएल में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के नागपुर एवं अमरावती तथा बिहार के पटना शहर में अपनी सेवाएं दी। बीएसएनएल में मोबाइल कम्युनिकेशन तथा टेलीकॉम एनफोर्समेंट रिसोर्स एंड मॉनिटरिंग सेल जैसी विभिन्न टेलीकॉम नियामक संस्थानों में उन्हें 24 वर्षों का दीर्घ अनुभव है। श्री म्हेत्रे के इस दीर्घ अनुभव का वेकोलि को निश्चित ही लाभ मिलेगा।

वेकोलि में पदभार ग्रहण करने पर श्री म्हेत्रे ने सीएमडी श्री मनोज कुमार, निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी तथा निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह से भेंट की। सभी ने उनका स्वागत करते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सीएमडी के तकनीकी सचिव श्री तरुण कुमार श्रीवास्तव तथा महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री अनूप हंजूरा उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण के साथ हुआ सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 का समापन

29 अक्टूबर, 2022 को प्रारंभ सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आज दिनांक 07-11-2022 को समापन समारोह संपन्न हुआ।

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार, निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार एवं निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी की प्रमुख उपस्थिति में सप्ताह के दौरान विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मुकेश कुमार मिश्रा विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समारोह से जुड़े।

सीएमडी श्री मनोज कुमार ने अपने संबोधन में कहा की वेकोलि प्रिवेंटिव विजिलेंस की दिशा में अग्रसर है। इस दृष्टिकोण से उन्होंने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का जिक्र करते हुए बताया कि इस सेंटर के माध्यम से खनन कार्य की रोज़मर्रा की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस पहल से नियमों का समुचित पालन सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने अपने उद्बोधन में रिकॉर्ड प्रबंधन की आवश्यकता का भी उल्लेख किया। उन्होंने सभी से आवश्यक नियमों, पॉलिसी अदि की जानकारी रखने एवं उनका कार्य के दौरान उपयोग करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी विजेताओं को अपनी शुभकामनाएँ दी।

मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मुकेश कुमार मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें सतर्कता के सिद्धांत को पूर्णतः अपनाना चाहिए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कार्य प्रणाली को बेहतर बनाने एवं पार्टिसिपेटिव विजिलेंस पर जोर दिया।

समापन समारोह का प्रारंभ कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत से हुआ। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान आयोजित गतिविधियों का वृत्तांत महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री अनूप हंजूरा ने दिया। कार्यक्रम में विडियो के माध्यम से सतर्कता की दिशा में की गई इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एवं ईएंडटी की पहल, कंप्लेंट हैंडलिंग में प्रगति तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान की गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मी एवं छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री मिलिंद चहांदे, प्रबंधक (जनसंपर्क) ने तथा आभार प्रदर्शन महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री अनूप हंजूरा ने किया।

सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन करें – श्री मनोज कुमार

वेकोलि में वार्षिक सुरक्षा पखवाड़ा-2022 का शुभारम्भ

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने आज सुरक्षा ध्वज फहरा कर वेकोलि में वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा-२०२२ का शुभारंभ किया। यह सुरक्षा पखवाड़ा दिनांक 28 नवम्बर, 2022 से 13 दिसम्बर, 2022 तक मनाया जाएगा। इसमें वेकोलि की सभी 51 खदानों का सहभाग होगा।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सीएमडी श्री मनोज कुमार ने कहा कि सुरक्षा वेकोलि की प्राथमिकता है एवं सभी को सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वही कार्य श्रेष्ठ है जो सुरक्षा के साथ किया जाता है। उन्होंने सभी से सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करने का आह्वान किया।

इस दौरान सुरक्षा विभाग से मुख्य प्रबंधक (खनन) श्री सत्यार्थी ने सुरक्षा शपथ दिलाई, जिसे टीम वेकोलि के सदस्यों ने दुहराया। सभी ने सुरक्षा के नियमों का पालन करने एवं सुरक्षा के अनुशासन को पूर्णतः अंगीकार करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जय प्रकाश द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री अनिल कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, अधिकारी और कर्मचारी गण प्रमुखता से उपस्थित रहे।

वेकोलि की वलनी भूमिगत खदान फिर होगी शुरू

वेंसार कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड को रिवेन्यू शेयरिंग आधार पर कार्य आरंभ करने का सौंपा एलओए

देश की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु वेकोलि निरंतर कार्यशील रहता है। इस दिशा में वेकोलि द्वारा अब एक और महत्वपूर्ण कदम लिया गया है।

वलनी भूमिगत खदान के कार्य-प्रारंभ, पुनर्वास, विकास एवं संचालन करने हेतु वेकोलि द्वारा वेंसार कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड को लेटर ऑफ अवार्ड जारी किया गया है। यह अनुबंध 25 वर्षों के लिए किया गया है तथा इसके अंतर्गत प्रस्तावित कुल कोयला उत्पादन 6.05 मिलियन टन होगा। यह अनुबंध रिवेन्यू शेयरिंग आधार पर किया गया है। यह, इस प्रकार का, वेकोलि का प्रथम एवं कोल इंडिया लिमिटेड का तृतीय अनुबंध है।

आज वेकोलि मुख्यालय में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने एलओआय वेंसार कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के श्री बी. पी. सिंह को सौंपा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वलनी खदान में जल्द ही कार्य प्रारंभ होगा एवं यह खदान राष्ट्र की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएगी। इस अवसर पर वेकोलि के निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मुकेश कुमार मिश्रा, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के तकनीकी सचिव श्री तरुण कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (सीएमसी) श्री ए. पी. सिंह विशेष तौर पर उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु विशेष मुहिम चलाई गई थी। इस दिशा में वेकोलि ने यह एलओए जारी कर अपना सार्थक सहभाग दिया है।

वेकोलि ने जीता कोल इंडिया अंतर कंपनी कबड्डी टूर्नामेंट 2022-23

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) मुख्यालय में दिनांक 21 से 23 नवंबर, 2022 तक खेले गए कोल इंडिया अंतर कंपनी कबड्डी टूर्नामेंट 2022-23 में वेकोलि की कबड्डी टीम विजेता रही । टूर्नामेंट के फाइनल मैच में वेकोलि की कबड्डी टीम ने एसईसीएल की टीम को 17 के मुकाबले 51 पॉइंट से हराया। इस प्रतियोगिता में डब्ल्यूसीएल, सीसीएल, ईसीएल, एससीसीएल, एसईसीएल, एमसीएल, एनसीएल तथा बीसीसीएल की टीमें ने भाग लिया।

टूर्नामेंट के अंतिम दिवस पर समापन एवं पारितोषिक वितरण समारोह में वेकोलि के सीएमडी श्री मनोज कुमार मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी तथा निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह उपस्थित थे।

सीएमडी श्री मनोज कुमार ने अपने उद्बोधन में सभी टीमों को अच्छे खेल प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस प्रकार के टूर्नामेंट से भारतीय खेल कबड्डी को खेलने की प्रेरणा मिलेगी एवं इसे हर जगह वृहद स्तर पर खेला जाएगा। खेल के महत्व को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि कबड्डी के माध्यम से न केवल शारीरिक एवं मानसिक सबलता बढ़ती है, बल्कि इससे टीम भावना भी विकसित होती है। उन्होंने टूर्नामेंट की विजेता टीम डब्ल्यूसीएल को विशेष शुभकामनाएं दी और अन्य टीमों को भविष्य में बेहतर करने के लिए प्रेरित किए।

निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे टूर्नामेंट खिलाड़ियों को बेहतर करने के लिए प्रेरित करते हैं। आगे उन्होंने कहा कि हार या जीत से बढ़कर अपना सर्वोत्तम देना ही खेल का मकसद होना चाहिए।

वेकोलि संचालन समिति के सदस्य श्री सुनील मिश्रा ने अपने उद्बोधन में विजेता तथा उप विजेता टीम को अपनी शुभकामनाएं दी। वेकोलि तथा एसईसीएल टीम के सभी खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। टूर्नामेंट में बेस्ट रेडर का खिताब वेकोलि टीम के श्री संदीप मड़ावी तथा बेस्ट कैचर का खिताब एसईसीएल टीम के श्री एम. एस. शुक्ला ने हासिल किया। मैन ऑफ द टूर्नामेंट वेकोलि टीम के श्री विशाल भोंगले रहे। सभी अतिथियों ने रनर अप ट्रॉफी एसईसीएल को तथा विनर्स ट्रॉफी वेकोलि के टीम को प्रदान की।

कार्यक्रम में वेकोलि संचालन समिति के सदस्य श्री फ्रांसिस दारा, श्री सुनील मिश्रा, श्री ए. पी. सिंह एवं श्री सतीश गबाले की प्रमुख उपस्थिति रही। साथ ही वेकोलि कल्याण मंडल के सदस्य श्री बृजेश सिंह, श्री आशीष मूर्ति, श्री श्रीकांत चौधरी एवं श्री अजय पाल यादव की भी विशेष उपस्थिति रही। दर्शक दीर्घा में वेकोलि के अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री मिलिंद चहांदे, प्रबंधक (जनसंपर्क) तथा धन्यवाद ज्ञापन कल्याण मंडल के सदस्य श्री बृजेश सिंह ने किया।

कोयला मंत्रालय के सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया छत्तरपुर-I भूमिगत खदान में कंटीन्यूअस माइनर एवं वेकोलि मुख्यालय के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) का उद्घाटन

दिनांक २७.१०.२०२२ को वर्चुअल माध्यम से आयोजित उद्घाटन समारोह में कोयला मंत्रालय के सचिव डॉ. अनिल कुमार जैन, भा.प्र.से, ने पाथाखेड़ा क्षेत्र की छत्तरपुर-I भूमिगत खदान में कंटीन्यूअस माइनर एवं वेकोलि मुख्यालय के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) का उद्घाटन किया।

समारोह में वेकोलि के सीएमडी श्री मनोज कुमार ने पाथाखेड़ा क्षेत्र की छत्तरपुर-I भूमिगत खदान की वर्त्तमान स्थिति एवं कंटीन्यूअस माइनर के प्रयोग से खनन प्रक्रिया में होने वाली वृद्धि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नई तकनीक के लाभ का जिक्र करते हुए वेकोलि मुख्यालय के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

उद्घाटन समारोह के दौरान अपने उद्बोधन में डॉ. अनिल कुमार जैन ने कहा कि वेकोलि में भूमिगत खनन का विशेष महत्व है। इस दिशा में नवीनतम तकनीक का प्रयोग एवं मशीनीकरण आवश्यक है। उन्होंने छत्तरपुर-I भूमिगत खदान में कंटीन्यूअस माइनर प्रणाली को अपनाने के प्रयास की सराहना की। साथ ही उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वेकोलि मुख्यालय में स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से खदानों की वर्तमान जानकारी तत्काल हासिल होगी एवं इससे कार्य में पारदर्शिता और तेज़ी आएगी।

कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा की देश में कोयले की मांग निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में आवश्यकता के अनुरूप कोयला उत्पादन करने हेतु खुली खदानों के साथ-साथ भूमिगत खनन को भी बढ़ाया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि मशीनीकरण से भूमिगत खदानों की लाभप्रदता बढ़ती है। इसी उद्देश्य से कोल इंडिया लिमिटेड ने २०३० तक १०० कंटीन्यूअस माइनर लगाने की योजना बनाई है, जिसमें से २० वेकोलि में लगाए जायेंगे।

इस समारोह में वर्चुअल माध्यम से कोयला मंत्रालय के अपर सचिव श्री विनोद कुमार तिवारी एवं श्री एम. नागराजू के साथ कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी गण, वेकोल बोर्ड के सदस्य गण जुड़े। प्रत्यक्ष तौर पर वेकोलि के निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री जे. पी. द्विवेदी, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री ए. के. सिंह, सीवीओ श्री मुकेश कुमार मिश्रा, संचालन समिति के सदस्य, क्षेत्रीय महाप्रबंधक गण, विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यू-ट्यूब पर किया गया, जिसे बड़ी संख्या में कोयला क्षेत्र के जुड़े कर्मियों ने देखा।

वेकोलि की माइन रेस्क्यू टीम अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर

वेकोलि माइन रेस्क्यू टीम ने राजस्थान में आयोजित अखिल भारतीय खान बचाव प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वेकोलि की टीम ने यह सफलता, देश की १८ विभिन्न कंपनियों की कुल २६ टीमों से प्रतिस्पर्धा के उपरान्त हासिल की। प्रतियोगिता का आयोजन हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की सिंदेसर खुर्द खदान, उदयपुर, राजस्थान में किया गया था।

ओवरऑल दूसरी सर्वोत्कृष्ट टीम होने के साथ ही, वेकोलि माइन रेस्क्यू टीम ने कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सहायक कंपनियों में पहला स्थान हासिल किया। जीत का सिलसिला यहीं नहीं रुका। टीम ने रेस्क्यू और रिकवरी श्रेणी के साथ-साथ प्राथमिक चिकित्सा श्रेणी में दूसरा स्थान तथा थ्योरी टेस्ट में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

श्री प्रभात कुमार, खान सुरक्षा महानिदेशक एवं श्री रवींद्र मांडेकर, खान सुरक्षा उप महानिदेशक, खान सुरक्षा महानिदेशालय, पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस समारोह में वेकोलि के १४ बचाव प्रशिक्षित कर्मियों को २५ से अधिक वर्षों तक रेस्क्यू के क्षेत्र में अपना योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित कर्मियों में श्री दिनेश बिसेन, अधीक्षक, रेस्क्यू विभाग एवं टीम के अन्य सदस्य शामिल थे।

वेकोलि में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी को आदरांजलि

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (वेकोलि) में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर भावभीनी आदरांजलि अर्पित की गयी।

मुख्यालय में आयोजित समारोह में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार एवं निदेशक (कार्मिक) डॉ. संजय कुमार तथा विभागाध्यक्षों एवं कर्मियों ने दोनों महान विभूतियों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

मुख्यालय के साथ ही वेकोलि के सभी क्षेत्रों में महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गांधी जी के विचारों को चरितार्थ करने के उद्देश्य से, वेकोलि में #specialcampaign2.0 की शुरुआत की गई। यह अभियान वेकोलि मुख्यालय तथा सभी क्षेत्रों में 2 से 31 अक्टूबर, 2022 तक चलाया गया। इसके अंतर्गत क्षेत्रों की सफाई, स्वच्छता के प्रति जागरूकता निर्माण करना, स्क्रैप डिस्पोजल अदि कार्यक्रम किए गए।

Western Coalfields Limited
A Mini Ratna Company

G20 भारत 2023 INDIA

Congratulations Team WCL

WCL achieves the highest ever one day OBR

13.01

Lakh Cubic Meters

on 30.12.2022

मजदुर

हजारो कीलोमीटर की दुरी तय करके शहर की ओर आया था |
दिल मे कई आशाओ और उमंगो को साथ लाया था |
बड़ी दूर से कमाने के लिए शहर की ओर आया था |
बाप के बुढ़ापे का सहारा था , माँ की आँख का तारा था |
भाई बहन के सपने पुरे करने थे , इसलिए कमाने शहर में आया था |
बदन पर चीथड़े और सिर पर गठरी अपने साथ लाया था |
लोगो को मकान बनवाकर देता था , खुद जमीन पर सोता था |
रुखी सुखी खाकर , पैसे बचाकर गाव भिजवाता था |
दिन रात मेहनत करके अपने परिवार का पेट पालता था |
ना जाने कैसी विपदा आन पड़ी , सचमुच किस्मत का मारा था |
वो बेबस था , लाचार था , बहुत मजबूर था |
वो कोई और नहीं , वो तो मजदूर था |
वो कल भी मजबूर था , वो आज भी मजबूर था |
वो कोई और नहीं , वो तो मजदूर था |
वो कल भी मजबूर होकर शहर में कमाने आया था |
वो आज भी मजबूर होकर खाली हाथ शहर से जा रहा था |

फ़िरोज़ खान
लिपिक, हिन्दुस्थान लालपेठ ओसी माईन, चंद्रपुर क्षेत्र

स्वामी जी के सपनों के भारत में युवाओं की भूमिका

"उठो, जागो और तब तक रूको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" - स्वामी विवेकानंद

हमारा देश आदि काल से ही ऋषि-महात्माओं, साधु-संतों, विचारकों और दार्शनिकों की जन्म स्थली रहा है। इतिहास साक्षी है कि, हम भारतीय संस्कृति के साथ ही वैश्विक विचारधाराओं को भी समाहित करने में सक्षम रहे हैं।

19 वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में हमारे देश को एक महान, कर्मठ, विचारक और आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत स्वामी विवेकानंद जी के अविर्भाव का सुयोग प्राप्त हुआ। उन दिनों भारत पर ब्रिटिश साम्राज्य की हुकूमत थी और यह भी सच ही कहा गया है कि, पराधीनता, संस्कृति के विनाश का संकट लाती है। भारतीय जनमानस भी एक ऊहापोह के दौर से गुजर रहा था। यदि हम सूक्ष्मता से देखें तो भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व ही विखंडन की त्रासदी झेल रहा था। ऐसे समय में जब शिकागो धर्म सम्मेलन में स्वामी जी ने संबोधित करते हुए कहा कि, अमेरिका में रहने वाले मेरे भाइयो और बहनो!, तो पूरा जनसमुदाय आत्मीयता के आनंद सागर में सराबोर हो गया था। स्वामी जी ने कर्मयोग की अवधारणा को पुनरस्थापित करते हुए उद्घोष किया "उठो, जागो और तब तक रूको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"।

आज 21 सदी में भी जब हम आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, नैतिक और राजनैतिक विकास की बातें करते हैं तो मनुष्य के जीवन में विजन और मिशन का स्पष्ट होना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। अन्यथा सभी बातें बेमानी हैं। स्वामी विवेकानंद जी का मानना था कि, नैतिक पवित्रता और त्यागमय जीवन रूपी सदगुण ही युवाओं को दिन-प्रति-दिन जर्जर हो रही मानवता के उत्थान और जागरण के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उनको युवा वर्ग पर पूर्ण विश्वास था। स्वामी जी की मान्यता थी कि, युवा में ही वो सामर्थ्य है, जो भारत को उन्नति के शिखर पर पहुंचा सकता है। उसे पुनः विश्व गुरू के रूप में स्थापित कर सकता है।

वास्तव में, हमें आज स्वामी जी के जन्म दिवस 12 जनवरी के अवसर पर उनकी शिक्षाओं पर मनन, चिंतन करते हुए भारत के विकास रूपी यज्ञ में अपना शत प्रतिशत सहयोग और अपने जीवन का सर्वोच्च और सर्वोत्तम देने का संकल्प और दृढ़ करना चाहिए और स्वामी जी के सपनों के भारत के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्धारण स्वतः कर लेना चाहिए।

- डॉ. मनोज कुमार
संप्रति - उप प्रबंधक (राजभाषा), वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर

पतंग

एक पतंग खुले आसमान में,
छाप छोड़ती नन्हें अरमान में,
मैं भी पतंग लाऊॅगा,
खूब दूर तक उडाऊॅगा।

जेब टटोला एक पैसा नहीं,
दुकान वाला फ्री में दे ऐसा भी नहीं,
साथी भी ऐसे नहीं जो विश्वास करे,
पक्के मांजे की डोर मेरे कच्चे हाथ धरे।
माँ पिताजी भी तो पैसे न देंगें ,
गर पुछु तो उल्टा कूट भी देंगे,
पर उड़ानी तो है पतंग,
चाहे अकेले हो या किसी के संग,

एक पतंग खुले आसमान में,
छाप छोड़ती नन्हें अरमान में,

पहले एक सूची बना देता हूॅं,
जुगाड़ करके सामान जुटा लेता हूँ।
सही मिश्रण तो होगा एक ताव , दो किमची,
थोड़ी सी गाद, लंबा धागा और एक बड़ी पुच्छी,

गाद तो भात से बन जायेगी,
किमची भी अम्मा की टोकरी तोड़ने से निकल आयेगी,
अरे! अपने बैग की किताब,
ताव और पुच्छी के तो काम आ जायेगी,
असली समस्या तो धागे की लगती है,
वो कहाँ से आयेगी।

माँ का संदूक था एक तहखाना,
ढूंढने से मिल जाता था उसमें खजाना,
संदूक में पाया सुई का धागा,

फिर ढेढ़ी मेढ़ी पतंग का एक आकार दिया,
गलत जोते से उसे साकार किया।
बाँध कन्नी उड़ान को जब तैयार भया,
रूष्ट हवा ने तो उड़ने से इंकार किया।

कई यत्न किये कई जत्न किये,
भरसक समस्त देव को नमन किये,
पर पतंग तो टस से मस न हुई
मस्तक नीचे निर्मोही जमीन में गढ़ी रही,

आँखों से निकलने लगी जब अविरल अश्रुधारा,
तब पवन ने नन्हें बालक के विश्वास को दिया सहारा,
फिर तेज हवा के झोंको ने,
पतंग को आकाश की दिशा दे डाली,
उसी नाजुक से धागे ने,
मजबूती से पतंग की कमान संभाली।

बालक उड़ाने की कला से था अनभिज्ञ,
धागे को घांस का बंधन दे रहा था,
महारती समझ घांस को हुक्म देता ,
इशारे से पतंग इधर उधर डोला रहा था।

दृढ़ विश्वास था ये नन्हें बालक का,
जो कच्चे धागे में मजबूती दे गया,
ढेढ़ी मेढ़ी पतंग को भी,
खुले आसमान में ले गया।

मेरी पतंग खुले आसमान में ,
छाप छोड़ती नन्हें अरमान में।

- गिरीबहादुर थापा
उप प्रबंधक (कार्मिक/प्रशासन),
वेकोलि, मुख्यालय, नागपुर.

! ! ए कलम तुझसे उल्फत ! !

ये कलम हैं के मेरी बात कभी मानती नहीं।
कुछ लिखाये बिना ये ठहरती भी नहीं।
हमेशा दिमाग-ए-दिल में बातें गुदगुदाते रहती।
तन्हाई में अक्सर मुझ संग बातें करते रहती।
ऐसा लगता हैं....

ये मेरी मैं इसका दीवाना बन गया हूं।
के ज़िन्दगी में मेरे अलग पहचान बन गया हूं।
इसी की मुझ पर रहती हैं उल्फत भरी इनायत।
के दिमाग-ए-दिल में उभर आते हैं ऐसे इबारत।
ज़खारा-ए-फलसफा भर दी मेरे मुजस्सिम में।
के अब हैं बज़्म-ए-नज़्म मेरे इख्तियार में।
माना इस डगर पर चलना बड़ा हैं मुश्किल।
एतबार हैं कलम पहुंचाएगी मुझे अपनी मंज़िल।
ए कलम तुझसे उल्फत हो गई मुझे इतनी।
जैसे अम्बर पर सितारे हैं जितनी।

आज नहीं तो कल तन को छोड़कर जाएगी जान।
कलम तेरे कारण मैं छोड़ जाऊंगा अपनी पहचान।
"बाबू' अपने दोस्त-ए-वतन से हो जाऊंगा जुदा।
फिर भी कलम तुझे अपने सीने से लगाएं रखूंगा सदा

- व्ही आर भंडारी "चालक"
गोवरी डीप ओपन कास्ट माइन, बल्लारपुर क्षेत्र

उठता हैं ये सवाल ?

सबसे पहले तो उठता हैं ये सवाल ?
उस शख्स के जहन में आया कैसे ये खयाल ?
के धरती में छुपा हैं कोयला का भंडार।
धरती पर बसा हुआ इसी से चलेगा संसार।
कोयला ने ही दिया दुनिया को जीवनदान।
कोयले से ही बनी हैं सारी दुनिया की शान।

इन मेहनतकश के लिए हर मौसम एक जैसा हैं।
के इन्होंने अपने जज़्बा को बनाया कुछ ऐसा हैं।
इन वीरों के लिए ठंड, धूप, धूल ना कोई रात हैं।
इनके आगे किचड़ न तूफान कोई बरसात हैं।
हर मौसम में करते मशक्कत ये दिन-रात हैं।
इनके हयात को मिली ऐसी ही ये सौगात हैं।

इन्हीं की वज़ह से आज सारा देश जगमगा रहा।
हर मौसम में भी इनकी मशक्कत-ए-गुल खिला रहा।
इन्हें भी कहते हैं हौसले से भरे इस देश के जवान।
जो सेवा करते हुए देश के लिए हो गए ये कुर्बान।

आज भी हैं कल भी रहेंगे इनके मिसाल कायम।
कायनात भी करेंगी इनके जज़्बातों को सलाम।

"बाबू" सबसे पहले तो उठता हैं ये सवाल ?
उस शख्स के जहन में आया कैसे ये खयाल ?

- व्ही आर भंडारी "चालक"
गोवरी डीप ओपन कास्ट माइन, बल्लारपुर क्षेत्र

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

एक मिनी रत्न कंपनी